अनेकांत एजुकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

चार वर्षीय बी.ए. डिग्री प्रोग्राम हिंदी

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

एस.वाय.बी.ए. (हिंदी) सेमेस्टर-IV

हिंदी विभाग

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(2024-25)

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2023 पैटर्न)

(एनईपी 2020 के अनुसार)

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

प्रस्तावना

अनेकांत एजुकेशन सोसायटी के तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में उल्लिखित दिशानिर्देशों और प्रावधानों को शामिल करते हुए जून, 2024 से विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रम को बदलने का निर्णय लिया है। एनईपी सामान्य (अकादमिक) शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल पर आधारित शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देकर समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का परिचय देता है जो छात्रों में रुचि विकसित करने में मदद करेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के कारण हिंदी और संबंधित विषयों को विकसित दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर, तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती-पुणे के हिंदी अध्ययन मंडळ ने एस.वाय.बी.ए.(हिंदी) के चतुर्थ सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया है। जो पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे है। पाठ्यक्रम को एनईपी 2020 दिशानिर्देशों के साथ संरेखित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को ऐसी शिक्षा मिले जो उन्हें चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करे।

हिंदी विषय की उपाधि छात्रों को ज्ञान और कौशल के साथ सुसज्जित करती है जो कैरियर को पूरा करने के लिए आवश्यक है। हिंदी में स्नातक छात्रों को ज्ञान प्रदान करने के साथ स्वस्थ मनोविनोद एवं मनोरंजन की शिक्षा देना, हिंदी भाषा-शैली से अवगत कराना, हिन्दी साहित्य एवं भाषा के प्रति अनुराग का विकास करना, जीवन के प्रति यथार्थता एवं स्वाभाविकता का बोध कराना, आदर्श जीवन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, विचार, कल्पना शक्ति, तर्क शक्ति का विकास करना, भावनात्मक तथा चारित्रिक गुणों को विकसित करना, सामाजिकता एवं राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना, साहित्य का अन्तिम उद्देश्य सत्यं-शिवं-सुंदरं की प्राप्ति करना आदि मानवीय तथा नैतिक मूल्यों को विकसित कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशते हैं।

कुल मिलाकर, एनईपी 2020 के अनुसार हिंदी पाठ्यक्रम को संशोधित करना सुनिश्चित करता है कि छात्रों को प्रासंगिक, व्यापक शिक्षा मिले और उन्हें आज की गतिशील बनाने के लिए तैयार किया गया है । यह उन्हें समाज में सार्थक योगदान देने और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।

Programme Outcomes (POs)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार बी.ए. डिग्री कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम परिणाम।

प्रभावी शैक्षणिक वर्ष 2023-2024

PO1	**आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच (Critical and Creative Thinking)** : स्नातक ज्ञान के एक समूह में विश्लेषणात्मक विचार को लागू करने की क्षमता प्रदर्शित करेंगे, जिसमें नीतियों और प्रथाओं के विश्लेषण और मूल्यांकन के साथसाथ साक्ष्य-, तर्क, दावे, विश्वास और साक्ष्य की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता शामिल है। स्नातक समान वस्तुओं या परिदृश्यों के बारे में अलगअलग और विविध तरीकों से बनाने-, प्रदर्शन करने या सोचने, समस्याओं और स्थितियों से निपटने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।
PO2	**संचार कौशल (Communication Skill):** स्नातक उन कौशलों का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे जो उन्हें सक्षम बनाते हैंध्यान से सुनना :, ग्रंथों और शोध पत्रों को विश्लेषणात्मक रूप से पढ़ना और जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से विभिन्न समूहोंदर्शकों के / सामने प्रस्तुत करना, विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से व्यक्त करना। और उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, आत्मविश्वास से विचार साझा करें और खुद को अभिव्यक्त करें ।
PO3	**बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :** स्नातकों को कई संस्कृतियों के मूल्यों और विश्वासों का ज्ञान प्राप्त होगा और विविधता का सम्मान करने के लिए एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य, एक बहुसांस्कृतिक समूहसमाज में प्रभावी ढंग से जुड़ने और विविध समूहों के / साथ सम्मानपूर्वक बातचीत करने की क्षमता होगी।
PO4	**अनुसंधान कौशल (Research Skills) :** स्नातक अवलोकन, पूछताछ की गहरी समझ और प्रासंगिकक्षमता उचित प्रश्न पूछने की/, समस्याओं को हल करने, संश्लेषित करने और मुद्दों को स्पष्ट करने और अनुसंधान प्रस्तावों को डिजाइन करने की क्षमता, समस्याओं को परिभाषित करने की क्षमता, उपयुक्त तैयार करने में सक्षम होंगे। प्रासंगिक शोध प्रश्न, परिकल्पना तैयार करना, मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा का उपयोग करके परिकल्पना का परीक्षण करना, परिकल्पना स्थापित करना, डेटा के विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर अनुमान लगाना और कारणप्रभाव संबंधों की भविष्यवाणी करना-और- ।
PO5	**पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :** स्नातकों को उचित कार्रवाई करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और मूल्यों को प्राप्त करने और लागू करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होना चाहिएपर्यावरणीय गिरावट :, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण के प्रभावों को कम करना, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक विविधता का संरक्षण, जैविक संसाधनों और जैव विविधता का प्रबंधन, वन और वन्यजीव संरक्षण, और सतत विकास और जीवनयापन ।
PO6	**समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :** स्नातक नवीन और अंतःविषय दृष्टिकोण के माध्यम से जटिल सामाजिक, सांस्कृतिक और कलात्मक चुनौतियों को पहचानने और संबोधित करने में कुशल होंगे।

PO7	**सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :** स्नातक विविध टीमों के साथ प्रभावी ढंग से और सम्मानपूर्वक काम करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे, एक समूह की ओर से सहकारी या समन्वित प्रयास की सुविधा प्रदान करेंगे, एक सामान्य कारण के हित में एक समूह या टीम के रूप में मिलकर कार्य करेंगे और एक टीम के सदस्य के रूप में कुशलतापूर्वक कार्य करें।
PO8	**मूल्य समावेशन (Value inculcation) :** स्नातक ज्ञान और दृष्टिकोण के अधिग्रहण का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे जो जीवन में संवैधानिक, मानवतावादी, नैतिक और नैतिक मूल्यों को अपनाने और अभ्यास करने के लिए आवश्यक हैं, जिसमें सत्य, धार्मिक आचरण, शांति, प्रेम, अहिंसा के सार्वभौमिक मानवीय मूल्य शामिल हैं। , वैज्ञानिक स्वभाव, नागरिकता मूल्य, समसामयिक वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने के लिए जिम्मेदार वैश्विक नागरिकता का अभ्यास करना, शिक्षार्थियों को वैश्विक मुद्दों के बारे में जागरूक होने और समझने और अधिक शांतिपूर्ण, सहिष्णु, समावेशी, सुरक्षित और टिकाऊ समाज के सक्रिय प्रवर्तक बनने में सक्षम बनाना आवश्यक है।
PO9	**डिजिटल और तकनीकी कौशल (Digital and technological skills) :** स्नातक विभिन्न प्रकार की सीखने और कार्य स्थितियों में आईसीटी का उपयोग करने, विभिन्न प्रासंगिक सूचना स्रोतों तक पहुंच, मूल्यांकन और उपयोग करने और डेटा के विश्लेषण के लिए उपयुक्त सॉफ़्टवेयर का उपयोग करने की क्षमता प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।
PO10	**सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :** स्नातक समाज की भलाई को बढ़ावा देने के लिए समुदाय से जुड़ी सेवाओंभाग लेने की क्षमता गतिविधियों में/ प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

PSO1.इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा की प्रारंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

PSO2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावसायिक पक्षों को भी जाना जा सकेगा।

PSO3.उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका और उससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।

PSO4.छात्र हिंदी भाषा सीखने की प्रक्रिया में भाषागत व्याकरणिक रूप को जान सकेंगे।

PSO5.व्यवसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कंप्यूटर जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर रोजगार के लिए आवश्यक योग्यता का विकास किया जा सकेगा।

PSO6.साहित्य की कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

PSO7.साहित्य के सौंदर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना।

PSO8.लेखन के माध्यम से छात्रों में लेखन कौशल विकसित होगा।

PSO9.छात्रों में मानवीय मूल्यों को विकसित करना।

PSO10.छात्रों में शोध के प्रति जागरूकता को बढ़ा सकेंगे।

PSO11.सोशल मीडिया के माध्यमों से छात्र परिचित होंगे, जिससे लेखन, निवेदन कौशल विकसित कर उन्हें रोजगार का सुअवसर प्रदान होगा।

PSO13.छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद का बढ़ते महत्व से परिचित होंगे।

PSO14.छात्र लघु फिल्म का लेखन और निर्माण कर सकेंगे ।

PSO15.हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइटों का प्रयोग की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

PSO16.छात्र निवेदन कौशल के माध्यम से आकाशवाणी, दूरदर्शन पर रोजगार के सुअवसर प्राप्त कर पाएंगे ।

अनेकांत एजुकेशन सोसाइटी का,

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(2022-23 से 2024-25 तक)

अ.क्र.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. प्रदीप सरवदे	अध्यक्ष एवं विभाग प्रमुख
2.	डॉ. सुनील बनसोडे	सदस्य
3.	डॉ. नितिन धवडे	अन्य विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
4.	डॉ. राजेंद्र श्रीवास्तव	प्रोद्योगिकी प्रतिनिधि
5.	डॉ. मनोहर जमदाडे	भूतपूर्व छात्र प्रतिनिधि
6.	डॉ. राजेंद्र खैरनार	निमंत्रित प्रतिनिधि
7.	डॉ. बनसिंग भोई	सदस्य
8.	कु. ईश्वरी कुलकर्णी	छात्र प्रतिनिधि
9.	कु. मंगल दगडे	छात्र प्रतिनिधि

Credit Distribution Structure for S.Y.B.A.-2024-2025 (Hindi)

Level	Semester	Major		Minor	OE	VSC, SEC, (VSEC)	AEC, VEC, IKS	OJT, FP, CEP, CC, RP	Cum. Cr/Sem	Degree/ Cum.Cr.
		Mandatory	Electives							
4.5	III	HIN-201-MJM काव्यशास्त्र (4 credits) HIN -202-MJM मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास (4 credits)	--	HIN-211-MN साहित्य विविधा (4 credits)	HIN -216-OE गीत लेखन (2 credits)	HIN -221-VSC कंम्पूटर और हिंदी भाषा (2 credits)	MAR-231-AEC (2 credits) HIN-231-AEC हिंदी भाषा : सृजन कौशल (2 credits) SAN-231-AEC (2 credits) GEN -245-IKS (2 credits)	NSS/NCC/ YOG/CUL /PHY - 239-CC (2 credits) HIN -235-CEP (2 credits)	24	UG Certificate 46 credits
	IV	HIN-251-MJM साहित्य के भेद (4 credits) HIN -252-MJM मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक (4 credits)	--	HIN-261-MN साहित्य वैभव (4 credits)	HIN -266-OE गजल लेखन (2 credits)	HIN -276-SEC विज्ञापन और हिंदी (2 credits)	MAR-281-AEC (2 credits) HIN-281-AEC हिंदी भाषा : संप्रेषण कौशल (2 credits) SAN-281-AEC (2 credits)	NSS/NCC/ YOG/CUL /PHY - 289-CC (2 credits) HIN -285-FP (2 credits)	22	
	Cum Cr.	**16**	--	**8**	**4**	**4**	**6**	**8**	**46**	

Course Structure for S.Y.B.A., Hindi 2024-25 (2020 NEP Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
III	Major (Mandatory)	HIN-201-MJM	काव्यशास्त्र	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN-202-MJM	मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास	Theory	04
	Minor	HIN-211-MN	साहित्य विविधा	Theory	04
	Open Elective(OE)	HIN-216-OE	गीत लेखन	Theory	02
	Vocational Skill Course (VSC)	HIN-221-VSC	कंम्पूटर और हिंदी भाषा	Theory	02
	Ability Enhancement Course (AEC)	MAR-231-AEC HIN-231-AEC SAN-231-AEC	हिंदी भाषा : सृजन कौशल	Theory	02
	Co-Curricular Course (CC)	NSS/NCC/YOG/ CUL/PHY-239-CC	To be selected form the basket	Theory/ Practical	02
	Community Engagement Project (CEP)	HIN-235-CEP		Theory/ Practical	02
	Generic IKS Course (IKS)	GEN-245-IKS	Indian Knowledge System (Generic)	Theory	02
	Total Credits Semester-III				**24**
IV	Major (Mandatory)	HIN-251-MJM	साहित्य के भेद	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN-252-MJM	मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक	Theory	04
	Minor	HIN-261-MN	साहित्य वैभव	Theory	04
	Open Elective(OE)	HIN-266-OE	गजल लेखन	Theory	02
	Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-276-SEC	विज्ञापन और हिंदी	Theory	02
	Ability Enhancement Course (AEC)	MAR-281-AEC HIN-281-AEC SAN-281-AEC	हिंदी भाषा : संप्रेषण कौशल	Theory	02
	Co-Curricular Course (CC)	NSS/NCC/YOG/ CUL/PHY-289-CC	To be selected form the basket	Theory/ Practical	02
	Fild Project (FP)	HIN-285-FP		Theory/ Practical	02
	Total Credits Semester-IV				**22**
	Cumulative Credits Semester III + Semester IV				**46**

स्नातक द्वितीय वर्ष कला [SYBA] SEMISTER – IV

Major – साहित्य के भेद

PAPER CODE : HIN-251-MJM

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR SYBA

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: SYBA Hindi**
Program Code	**: UAHIN**
Class	**: SYBA**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**: साहित्य के भेद**
Course Code	**: HIN-251-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को काव्यशास्त्र का ज्ञान कराना।
2. छात्रों को पद्य के भेदों के साथ प्रबंध तथा मुक्तक काव्य से परिचित कराना।
3. छात्रों को गद्य विधाओं से परिचय कराना।
4. छात्रों को उपन्यास, कहानी, नाटक और एकांकी के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी देना।
5. छात्रों को उपन्यास और कहानी के अंतर से परिचित कराना।
6. छात्रों को नाटक और एकांकी के अंतर से परिचित कराना।
7. छात्रों को नाटक के भेदों से परिचित कराना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्र काव्यशास्त्र का महत्व समझेंगे।

CO2- छात्र पद्य के भेदों के साथ प्रबंध तथा मुक्तक काव्य से परिचित होंगे।

CO3- छात्र गद्य विधाओं से परिचित होंगे।

CO4- छात्र उपन्यास, कहानी, नाटक और एकांकी के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी देंगे।

CO5- छात्र उपन्यास और कहानी के अंतर से परिचित होंगे।

CO6- छात्र नाटक और एकांकी के अंतर से परिचित होंगे।

CO7- छात्र नाटक के भेदों को समझेंगे।

पाठ्यक्रम

Major – साहित्य के भेद

PAPER CODE : HIN-251-MJM

इकाई नं.1 : काव्य के भेद (प्रकार) : 20 तासिकाएं

1. पद्य के भेद : प्रबंधकाव्य और मुक्तक काव्य,
2. प्रबंधकाव्य के भेद- महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक काव्य, गीतिकाव्य।

इकाई नं. 2 : गद्य के भेद : उपन्यास, कहानी, निबंध। 20 तासिकाएं

(इन विधाओं का केवल तात्विक परिचय)

उपन्यास और कहानी में अंतर।

इकाई नं. 3 : दृश्य काव्य : 20 तासिकाएं

अ) नाटक की परिभाषा और तत्व (भारतीय दृष्टि से तत्वों का स्थूल परिचय)

आ) माध्यम के आधार पर नाटक के भेद : रंगमंचीय नाटक, रेडियो नाटक, दूरदर्शन नाटक।

इ) एकांकी : परिभाषा और तत्व,

ई) नाटक और एकांकी की तुलना।

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र : डॉ. भगीरथ मिश्र
2. काव्य के तत्व : आ. देवेंद्रनाथ वर्मा
3. साहित्य विवेचन : क्षेमचंद्र सुमन/योगेंद्रकुमार मल्लिक
4. साहित्यशास्त्र परिचय : डॉ. सुधाकर कलवडे
5. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सुरेशकुमार जैन/प्रा.महावीर कंडारकर
7. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. जितेंद्रनाथ मिश्र
8. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
9. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह
10. भारतीय काव्यशास्त्रः सिद्धांत : डॉ. कृष्णदेव झारी
11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत : डॉ. सुरेश अग्रवाल
12. समीक्षा शास्त्र के भारतीय मानदंड : डॉ. रामसागर त्रिपाठी

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-251-MJM

Tittle of Course : साहित्य के भेद

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2										
CO 3										
CO 4										
CO 5										
CO 6										
CO 7										
CO 8										

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1-छात्रों को काव्यशास्त्र का महत्व समझेगा और उनमें आलोचनात्मक सोच निर्माण होंगी|

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO2-काव्य का स्वरूप, परिभाषा का ज्ञान प्राप्त करके काव्य की विशेषता और प्रकार समझेंगे|

CO6-छात्र शब्द शक्तियों का ज्ञान हासिल कर काव्य में किस प्रकार उपयोग किया जायेगा इसका ज्ञान प्राप्त होगा।

PO3: बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :

CO8-अलंकारों के माध्यम से सामाजिक दृष्टिकोण और बहुसांस्कृतिक क्षमता को समझाने के लिए उदाहरण दिए जा सकते हैं|

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO1 छात्र काव्यशास्त्र का महत्व समझेंगे। जिससे उनमें विभिन्न शैलियों, कलाओं, समस्याओं की समझ में विस्तृतता आएंगी और रचना का अध्ययन कर अनुसंधान करने की क्षमता विकसित होंगी।

PO 5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :**Nil**

PO6:समस्याएँ समाधान क्षमता- (Problem-solving Abilities) :

CO4-छात्र काव्य के प्रयोजनों से परिचित होकर काव्य से संबंधी समस्या से अवगत होंगे और उनमें समस्या का समाधान करने की क्षमता विकसित होंगी|

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO5-छात्र काव्य के तत्वों से परिचित होंगे। कई बार काव्य लिखने के लिए टीम वर्क और सहयोग का उपयोग किया जाता है। जहां एक समूह के सदस्य अपने विचार और कला का अद्वितीय मिश्रण प्रस्तुत करते हैं|

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) : :**Nil**

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) : :**Nil**

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO2- काव्य का स्वरूपपरिभाषा का ज्ञान प्राप्त करके काव्य की विशेषता और , प्रकार समझ कर काव्य समुदाय से जुड़कर साहित्य की सेवा में जुड़ सकते हैं |

स्नातक द्वितीय वर्ष कला [SYBA] SEMISTER – IV

Major – मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक

PAPER CODE : HIN-252-MJM

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR SYBA

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: SYBA Hindi**
Program Code	**: UAHIN**
Class	**: SYBA**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Major Mandatory (Theory)**
Course Name	**: मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक**
Course Code	**: HIN-252-MJM**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. हिंदी नाटक के विविध मानदंडो के आधार पर छात्रो में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना।
2. छात्रो में हिंदी नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित करना।
3. मध्ययुगीन कवियों के काव्य से छात्रों को परिचित कराना।
4. मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्रों को परिचित कराना।
5. छात्रों को मध्ययुगीन कवियों के सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत कराना।
6. साहित्य कृतियों के माध्यम से साहित्य के शिल्प एवं सौदर्य से परिचित कराना।
7. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- हिंदी नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण होंगी तथा उनकी कृतियों से परिचित होंगे।

CO2- छात्रों में हिंदी नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होंगी।

CO3- मध्ययुगीन कवियों के काव्य से छात्र परिचित होंगे।

CO4- मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्र परिचित होंगे।

CO5- छात्र मध्ययुगीन कवियों के सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत होंगे।

CO6- साहित्य कृतियों के माध्यम से साहित्य के शिल्प एवं सौदर्य से परिचित होंगे।

CO7- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

पाठ्यक्रम

Major – मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक

PAPER CODE : HIN-252-MJM

पाठयपुस्तकें :

1. **नाटक : युगे युगे क्रांती - विष्णु प्रभाकर**

   प्रकाशन : राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली - 1100006

2. **रहीम ग्रंथावली - सं. विद्यानिवास मिश्र,**
3. **बिहारी रत्नाकर - श्री.जगन्नाथदास 'रत्नाकर' - प्रकाशन - तारा पब्लिकेशन, वाराणसी**

इकाई नं.1 : नाटक : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्व। 20 तासिकाएं

नाटक कृति : युगे युगे क्रांती - विष्णु प्रभाकर

1. लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. नाटक का कथ्यगत एवं रंगमंचीय अध्ययन,
3. तात्विक मूल्यांकन।

इकाई नं. 2 : रहीम के 20 दोहे 20 तासिकाएं

अ) भक्ति -

1. समय दषा कुल देखि कै, सबै करत सनमान।
   रहिमन दीन अनाथ को, तुम बिन को भगवान।।
2. रहिमन को कोड का करै, ज्वारी, चोर, लबार।
   जो पति राखनहार है, माखन चाखनहार।।
3. जेहि रहीम तन मन लियो, कियो हिए बिचभौन।
   तासों दुख सुख कहन की, रही बात अब कौन।।
4. गहि सरनागति राम की, भव सागर की नाव।
   रहिमन जगत उधार कर, और न कछु उपाव।।

आ) संगति का प्रभाव -

1. जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
   चंदन विश व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग।।
2. मूढ़ मंडली में सुजन ठहरत नहीं बिसेषि।
   स्याम कंचन में सेत ज्यों दूरी कीजियत देखि।।
3. यह रहीम निज संग लै, जनमत जगत न कोय।
   बैर, प्रीति, अभ्यास, जस होत होत ही हाये ।।
4. रहिमन उजली प्रकृत को, नहीं नीच को संग
   करिया बासन कर गहे, कालिख लागत अंग।

इ) दीनता और बड़प्पन -

1. जे गरीब पर हित करैं, ते रहीम बड़ लोग।
   कहा सुदामा बापुरो, कृश्ण मिताई जोग।।
2. थोड़ो किए बडेन की, बड़ी बड़ाई होय।
   ज्यों रहीम हनुमंत को, गिरिधर कहत न कोय।।
3. दीन सबन को लखत है, दीनहिं लखै न कोय।
   जो रहीम दीनहिं लखैं, दीनबंधु सम होय।।
4. रहिमन देखि बडेन को, लघु न दीजिये डारि।
   जहाँ काम आवें सुई, कहा करे तरवारि।।

ई) नीति -

1. खैर, खून खाँसी, खुसी, वैर, प्रीति, मद-पान।
   रहिमन दाबे न दबै, जानत सकल जहान।।
2. रूठें सुजन मनाइए, जो रुठें सो बार।
   रहिमन फिर फिर पोहिए, टूटे मुक्ताहार।।
3. दानों रहिमन एक से, जौ लौं बेलत नाहिं।
   जान परत हैं काक पिक, ऋतु बसंत के माहिं।
4. बिगरी बात बनै नहीं, लाख करो किन कोय।
   रहिमन फोट दूध को, मथे न माखन होय।।

उ) संत महिमा -

1. तरुवर फल नहिं खात हैं, सरवर पियहिं न पान।
   कहि रहीम, पर-काज हित, संपति संचहिं सुजान।।
2. मथत-मथत माखन, दही-मही बिलगाय।
   रहिमन सोई मीत है, भीर परे ठहराय।।
3. रहिमन वे नर मर चुके, जे कहुँ माँगन जाहिं।
   उनते पहले वे मरे, जिन मुख निकसत नाहिं।।
4. दुरदिन परे रहीम कहि, भलू त सब पहचानि।
   सोच नहीं वित-हानि को, जो न होय हित हानि।।

अध्यनार्थ विषय : रहीम का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

- रहीम की भक्तिभावना
- रहीम की भाषा
- रहीम काव्य की प्रासंगिकता
- रहीम काव्य का भावपक्ष एवं शिल्पपक्ष अध्ययन।

इकाई नं. 3 : बिहारी के 20 दोहे 20 तासिकाएं

1) नायक-नायिका वर्णन -

1. मेरी भव बाधा हरौ राधानागरि सोई।
   जा तन की झाईं परै स्याम हरित दुति होइ।।

2. कहत नटत रीझत खिजत मिलत लजियात।
भरे भौन में करत हैं नैननि में सब बात।।
3. नभ लाली चाली निसा चटकाली धुनि कीन।
रति पाली आळी अनत आये बनमाली न।।
4. सघन कुंज घन घन तिमिर अधिक अँधेरी राति।
तऊन दुरिहै स्याम यह दीप सिखा सी जाति।।
5. सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलौने गात।
मनों नीलमनि सेल पर आतप परयो प्रभात।।

2. संयोग- शृंगार वर्णन -

1. प्रीतम दृग मिहिचत प्रिया पानि परस सुख पाय।
जानि पिछानि अजान लौं नैकु न होति जनाय।।
2. लटकि लटकि लटकन चलत डटत मुकुट की छाँह।
चटक भरयौ नट मिल गयौ अटक भटक मन माँह।।
3. चिरजीवौ जोरी जुरै क्यों न सनेह गंभीर।
को घटि ये वृशभानजा वे हलधर के वीर।।
4. मन न धरति मेरौ कहयौ तू आपने सयान।
अहे परनि परि प्रेम की परहथ पार न प्रान।।
5. लाल तिहारे विरह की अगनि अनूप अपार।
सरसै बरसै नीरहूँ झरहूँ मिटे न झार।।

3. नख-सिख वर्णन -

1. अंग अंग नग जगमगत दीप सिखा सी देह।
दिया बौंरत झँपत झौंर झौंर मधु अंध।।
2. पहिर न भूखन कनक के कहि आवतु इहि हेत।
दर्पन के से मोरचा देह दिखाई देत।।
3. छकि रसाल सौरभ सने मधुर माधुरी गंध ।
ठौर ठौर झौंरत झँपत झौंर झौंर मधु अंध।।
4. पावस घन अँधियारि में रहयौ भेद नहिं आन।
राति द्यौस जान्यौ परै लखि चकई चकवान।।
5. दिस दिस कुसमित देखिये उपबन बिपिन समाज।
मनहु बियोगिनि कौं कियो सर पंजर रितुराज।

4. नवरस-इत्यादि वर्णन -

1. नहिं पराग नहि मधुर मधु नहि विकास इहिं काल।
अली कली ही तें बँध्यौ आगे कौन हवाल।।
2. कनक कनक तें सौगुनी मादिकता अधिकाइ।
उहि खाये बौराइ जग इहिं पाये बौराइ।।

3. जप माला छापे तिलक सरै न एकौ काम।
   मन काचै नाचै बृथा साँचे राम।।
4. तज तीरथ हरि राधिका तन दुति कर अनुराग।
   जिहिं ब्रज केलि निकुंज मग पग पग होत प्रयाग।।
5. जगत जनायौ जिहिं सकल सो हरि जान्यौ नाहिं।
   ज्यों आखनि सब देखियै आँख न देखी जाहिं।।

अध्यनार्थ विषय : 20 तासिकाएं

- बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- बिहारी की प्रासंगिकता
- बिहारी की अलंकार योजना
- बिहारी की भाषा
- बिहारी के काव्य का भावपक्ष एवं शिल्पपक्ष अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ :

1. बिहारी रत्नाकर - श्री.जगन्नाथदास 'रत्नाकर' - तारा पब्लिकेशन, वाराणसी
2. भक्ति, दर्शन और साहित्य -उमेश शर्मा, रचना प्रकाशन, मथुरा
3. रहीम ग्रंथावली - सं. विद्यानिवास मिश्र,
4. रहीम सतसई - विश्वंभर 'अरुण', विनोद पुस्तक मंदिर, आग्रा
5. षट्कवि : विवेचनात्मक अध्ययन - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे
6. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य - डॉ. राजेंद्र खैरनार, दिव्य डिस्ट्रीब्यटर्स, कानपुर
7. साहित्यिक विधाए - डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
8. हिंदी नाटक में आधुनिक प्रवृत्तियां - डॉ. दमयंती श्रीवास्तव, राका प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली
10. हिंदी नाटकः सिद्धांत और विवेचन - डॉ. गिरिश रस्तोगी, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
11. नाट्यालेख - डॉ. तुकाराम पाटील, हृषिकेश प्रकाशन, पुणे
12. स्वांतत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, अतुल प्रकाशन, कानपुर

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-252-MJM

Tittle ofCourse : मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक

Weightage:1=weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	2									
CO 2		3								
CO 3			3							
CO 4								3		
CO 5										
CO 6						3				
CO 7				2						
CO 8										

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1-छात्रों को विभिन्न लेखाकों द्वारा लिखे उपन्यास, नाटक पढने से नई विचारधारा, पात्रों का विकास का अनुभव मिलेगा। साथ ही स्वतंत्र सोच को व्यक्त करने के लिए प्रेरणा मिलेंगी |

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO2-संचार कौशल उपन्यास और नाटक के मूल संदेश को समझने में मदद करता है, इसके अलावा छात्रों को लेखन और बोलचाल में बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है|

PO3:बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :

CO3—मध्ययुगीन कवियों की कविताएं आध्यात्मिकता, प्रेम, शांती और समर्पण की भावना से भरी होती है, जो सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्साह निर्माण करती है|

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO7- छात्र विभिन्न कथा, उपन्यास, नाटक पढकर विषय को गहराई से समझने और विश्लेषण करने का अनुभव प्राप्त करेंगे|

PO5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :Nil

PO6:समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :

CO6-नाटक और उपन्यास के माध्यम से समाज की समस्या को उजागर किया जाता है, छात्र इन समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ समझेंगे और सजग रहेंगे|

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :Nil

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) :

CO4-मध्ययुगीन कवि, साहित्यकार अनेक मूल्यों को चित्रित करते हैं, छात्र इन मूल्यों को समझेंगे|

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) :Nil

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :Nil

स्नातक द्वितीय वर्ष कला [SYBA] SEMISTER – IV

Minor – साहित्य वैभव

PAPER CODE : HIN-261-MN

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR SYBA

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: SYBA Hindi**
Program Code	**: UAHIN**
Class	**: SYBA**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Minor (Theory)**
Course Name	**: साहित्य वैभव**
Course Code	**: HIN-261-MN**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1) हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों की रूचि बढाना ।
2) छात्रों को कहानी विधा एवं हिंदी के कहानीकारों से परिचित कराना ।
3) छात्रों को हिंदी काव्य तथा हिंदी कवियों का परिचय देना ।
4) छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना।
5) कहानी विधा तथा काव्य के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना ।
6) छात्रों को लेखन कौशल से परिचित करना।
7) छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण कराना ।
8) छात्रों में साहित्य का रसास्वादन करने की क्षमता विकसित करना

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ेगी ।
CO2- छात्र कहानी विधा तथा काव्य से परिचित होंगे ।
CO3- छात्र हिंदी कहानीकारों तथा हिंदी कवियों का परिचय दे पाएंगे ।
CO4- छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित होगी ।
CO5- कहानी विधा तथा काव्य के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास होगा ।
CO6- छात्रों को लेखन कौशल से परिचित होंगे ।
CO7- छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, सामाजिक मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण होगी ।
CO8- छात्रों में साहित्य का रसास्वादन करने की क्षमता विकसित होगी ।

पाठ्यक्रम

Major – साहित्य वैभव

PAPER CODE : HIN-261-MN

पाठ्य पुस्तकें :

1) कथा धारा - संपादक : डॉ. अनिता नेरे, डॉ. अशोक धुलधुले
प्रकाशक : जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2) काव्यायन - संपादक: डॉ. सुरेश साळुंके, डॉ. सुभाष तळेकर
प्रकाशक : जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

इकाई नं.1 : गद्य : 20 तासिकाएं

1) नमक का दरोगा - प्रेमचंद
2) खेल - जैनेंद्र कुमार
3) लाल पान की बेगम - फणीश्वरनाथ रेणु
4) सिलिया - सुशीला टाकभौरे
5) बिगड़ैल बच्चे - मनिषा कुलश्रेष्ठ

इकाई नं. 2 : पद्य : 20 तासिकाएं

1) गाँव के लड़के - सुमित्रानंदन पंत
2) पेड़ - चंद्रकांत देवताले
3) बाबा ने कहा था - सोहनपाल सुमनाक्षर
4) चुनौती - उषा यादव
5) बेजगह - अनामिका

इकाई नं. 3 : पाठ्य-पुस्तकेतर पाठ्यक्रम 20 तासिकाएं

क. पारिभाषिक शब्द (सूची संलग्न)
ख. विज्ञापन लेखन
ग. वृत्तांत लेखन (समाचार-पत्र एवं दूरदर्शन के लिए)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी के प्रतिनिधि कवि - डॉ. दयानंद शर्मा
2. कहानी नई कहानी - डॉ. नामवर सिंह
3. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
4. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
5. समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. पुष्पपाल सिंह
6. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ. संतोषकुमार तिवारी
7. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख

*****

क. <u>पारिभाषिक शब्दावली</u>

1. बैंक से संबंधित शब्दावली -

1 **Advance**	अग्रिम, पेशगी
2 **Agreement**	करार, अनुबंध
3 **Audit**	लेखा परीक्षा
4 **Budget**	आय-व्ययक, बजट
5 **Currency**	मुद्रा
6 **Deduction**	कटौती, घटाना
7 **Deposit**	जमाराशि, जमा
8 **Expenditure**	व्यय, खर्च
9 **Finance**	वित्त
10 **Increment**	वेतनवृद्धि

2. डाक-तार से संबंधित

1 **Acknowledgement (A.D.)**	प्राप्ति, पावती स्वीकृति
2 **Addressee**	पानेवाला, प्रेषिती
3 **Communication**	संचार, संदेश
4 **Director (Post Offices)**	निदेशक (डाक घर)
5 **Inspector**	निरीक्षक
6 **Post office**	डाक घर
7 **Postage Stamp**	डाक टिकट
8 **Postal Address**	डाक पता
9 **Recurring Deposit**	आवर्ती जमा
10 **Registered Letter**	पंजीकृत पत्र

3. प्रशासनिक शब्दावली

1 **Ability**	योग्यता
2 **Bonafide**	वास्तविक
3 **Charge**	प्रभार
4 **Demotion**	पदावनति
5 **File**	फाइल, मिसिल
6 **Gradation**	पदक्रम
7 **Implementation**	कार्यान्वयन
8 **Manuscript**	पांडुलिपि
9 **Minutes**	कार्यवृत्त
10 **Vacancy**	रिक्तस्थान

4. भारतीय संविधान से संबंधीत

1 **Ambassador**	राजदूत
2 **Bureau**	ब्यूरो, कार्यालय, केंद्र
3 **Cabinet**	मंत्रिमंडल
4 **Bureaucracy**	नौकरशाही
5 **Constituency**	निर्वाचन क्षेत्र
6 **Constitution**	संविधान
7 **Elected**	निर्वाचित
8 **Embassy**	राजदूतावास
9 **Gazette**	राजपत्र
10 **Member of Parliament**	सांसद, संसद सदस्य

5. रेल से संबंधित

1 **A.C. Chair Car**	वातानुकुलन कुर्सी यान
2 **Break Journey**	यात्राभंग, विराम
3 **Compartment**	डिब्बा
4 **Expansion of Journey**	यात्रा विस्तारण
5 **Goods Shed**	माल गोदाम
6 **Head Light**	अगली बडी बत्ती
7 **Mail Train**	डाक गाडी
8 **Pad Lock**	सामान्य ताला
9 **Return Ticket**	वापसी यात्रा टिकट
10 **Zonal Pass**	क्षेत्रीय पास

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-261-MN

Tittle ofCourse : साहित्य वैभव

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2		3								
CO 3										
CO 4				3						
CO 5			2			2				
CO 6										1
CO 7							3			
CO 8										

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1-विभिन्न प्रकार की कहानियाँ, कविताएँ, लेख पढ़कर छात्रों को विचार करने के लिए और लिखने के लिए प्रेरित करती है।

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO2-छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकार एवं उनकी रचनाओं से लेखन कौशल, सामग्री का चयन करके संवाद कौशल विकसित करके अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे|

PO3:बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :

CO5-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता से अपनी संस्कृति और रीति-रीवाजों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करती है और उन्हें समाज की विविधता समझने में मदद करती है|

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO4-छात्र साहित्य के माध्यम नये विचारों से प्रभावित होते है और उनमें अच्छे, बुरे की समझ आती है|

PO5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :Nil

PO6:समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :

CO5-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता के माध्यम से विभिन्न समस्याओं का सामना करनेवाले पात्रों के माध्यम से जीवन का सबक सिखाया जा सकता है| साथ ही समस्याओं का समाधान विकसित करने की क्षमता विकसित की जा सकती है|

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO7-हिंदी भाषा समझने के लिए सहयोग और टीम वर्क आवश्यक है, हिंदी में संवाद करने की क्षमता विकसित होगी|

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) :

CO1-छात्र हिंदी साहित्य की गद्य एवं पद्य विधाओं अनेक प्रकार के मूल्य होते है, इन मूल्यों का ज्ञान होगा|

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) : Nil

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO6-छात्रों को हिंदी साक्षात्कार समाज के विशिष्ट वर्ग का परिचय होगा जिससे साहित्यिक समुदाय से जुड़कर साहित्य की सेवा में जुड़ सकते हैं |

स्नातक द्वितीय वर्ष कला [SYBA] SEMESTER – III

Open Elective (OE) – हिंदी गज़ल लेखन

PAPER CODE : HIN-266-OE

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR SYBA

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: SYBA Hindi**
Program Code	**: UAHIN**
Class	**: SYBA**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Open Elective (OE) (Theory)**
Course Name	**: हिंदी गज़ल लेखन**
Course Code	**: HIN-266-OE**
No. of Lectures	**: 30**
No. of Credits	**: 02**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को हिंदी गज़ल लेखन से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी गज़ल लेखन की विशेषताओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी गज़ल लेखन के प्रकारों से परिचित कराना।
4. छात्रों को हिंदी गज़ल लेखन के महत्व को समझाना।
5. छात्रों को हिंदी गज़लकारों से परिचित कराना।
6. छात्रों में गज़ल लेखन के प्रति रुचि निर्माण कराना।
7. छात्रों में गज़ल लेखन के प्रति सृजनशीलता निर्माण कराना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्र हिंदी गज़ल लेखन से परिचित होंगे।

CO2- छात्र हिंदी गज़ल लेखन की विशेषताओं से परिचित होंगे।

CO3- छात्र हिंदी गज़ल लेखन के प्रकारों से परिचित होंगे।

CO4- छात्र हिंदी गज़ल लेखन के महत्व को समझेंगे।

CO5- छात्र हिंदी गज़लकारों से परिचित होंगे।

CO6- छात्रों में गज़ल लेखन के प्रति रुचि निर्माण होंगी।

CO7- छात्रों में गज़ल लेखन के प्रति सृजनशीलता का विकास होगा।

पाठ्यक्रम

Open Elective (OE) – हिंदी गज़ल लेखन

PAPER CODE : HIN-266-OE

इकाई नं.1 : गज़ल लेखन : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, 10 तासिकाएं
गज़ल लेखन का इतिहास,
गज़ल के अंग

इकाई नं. 2 : गज़ल के प्रकार 10 तासिकाएं
हिंदी गज़ल की मुख्य प्रवृत्तियाँ,
हिंदी के प्रमुख गज़लकारों का सामान्य परिचय -
दुष्यंतकुमार, शमशेरबहादुर सिंह, जहीर कुरेशी, राहत इन्दौरी ।

इकाई नं. 3 : गज़ल पर आधारित परियोजना - (25/30 पृष्ठों तक) 10 तासिकाएं

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी गज़ल : उद्‌भव और विकास - डॉ. रोहिताश्व अस्थाना
2. हिंदी गज़ल के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ. मधु खराटे
3. हिंदी गज़ल की अवधारणा - जहीर कुरेशी
4. हिंदी गज़ल परम्परा और गजलकार जहीर कुरेशी - डॉ. रामावतार मेघवाल
5. दुष्यंतकुमार और उनका काव्य - डॉ. सुरेश सालुंके

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-266-OE

Tittle ofCourse : हिंदी गज़ल लेखन

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	2									
CO 2										
CO 3										
CO 4							1			
CO 5		3								3
CO 6			3							
CO 7								3		
CO 8										

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1-छात्र हिंदी गीत के विभिन्न पहलुओं (लिरिक,संगीत,ताल) से परिचित होकर स्वतंत्रता से विचार करेंगे|

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO5-छात्र हिंदी गीतकारों से परिचित होकर देशप्रेम, सामाजिक संदेश पहुंचाने का काम करेंगे|

PO3:बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :

CO6-छात्रों में गीत लेखन के माध्यम से अपने भाव, विचार और अनुभव को व्यक्त करने की क्षमता विकसित होगी| गीत लेखन की रुचि से व्यक्ति की सांस्कृतिक क्षमता को समृद्धि मिल सकती हैं|

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO7-गीत लेखन में रचनात्मक सोच महत्वपूर्ण होती है| नियमित रूप से गीत लिखने और संशोधित करने से अनुसंधान कौशल बढता है|

PO5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) :Nil

PO6:समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :Nil

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO4-छात्र हिंदी गीत को सुनते हैं, उसके पीछे गीतकार, संगीतकार, गायक आदि का योगदान होता है, यह सहयोग और टीमवर्क से ही होता है|

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) :

CO7-छात्रों को गीतों से कई तरह के मूल्य सीखने को मिलते हैं| जीवन में संघर्षों का सामना करने के तरीके सीखते हैं|

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) :Nil

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO5-छात्र हिंदी गीतकारों से संपर्क स्थापित कर सकते हैं तथा उनकी कला को सार्वजनिक आयोजनों में शामिल करने में मदद कर सकते हैं|

स्नातक द्वितीय वर्ष कला [SYBA] SEMISTER – IV

Skill Enhancement Course (SEC) – विज्ञापन और हिंदी

PAPER CODE : HIN-276-SEC

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR SYBA

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: SYBA Hindi**
Program Code	**: UAHIN**
Class	**: SYBA**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Skill Enhancement Course (SEC) (Theory)**
Course Name	**: विज्ञापन और हिंदी**
Course Code	**: HIN-276-SEC**
No. of Lectures	**: 30**
No. of Credits	**: 02**

A) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को विज्ञापन के महत्व से परिचित कराना।
2. छात्रों को जनसंचार के विभिन्न माध्यमों से परिचित कराना।
3. छात्रों को विज्ञापन के विभिन्न प्रकारों से अवगत कराना।
4. छात्रों को प्रभावी विज्ञापन लेखन कौशल सीखाना।
5. छात्रों को विज्ञापन के विभिन्न तकनीकी पक्षों से परिचित कराना।
6. छात्रों में को विज्ञापन कौशल के प्रति रूचि बढ़ाना।
7. छात्रों को विज्ञापन में रोजगारों के अवसरों से अवगत कराना।

B) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्र विज्ञापन के महत्व को विस्तार से जान पायेंगे।

CO2- छात्र जनसंचार के विभिन्न माध्यमों से परिचित होंगे।

CO3- छात्र विज्ञापन के विभिन्न प्रकारों से अवगत होंगे।

CO4- छात्र प्रभावी विज्ञापन लेखन कौशल को पुरे मन से सीखेंगे।

CO5- छात्र विज्ञापन के विभिन्न तकनीकी पक्षों से परिचित होंगे।

CO6- छात्रों की विज्ञापन कौशल के प्रति रूचि बढ़ेगी।

CO7- छात्र विज्ञापन में रोजगारों के अवसरों को पाने में सक्षम होंगे।

पाठ्यक्रम

Skill Enhancement Course (SEC) - विज्ञापन और हिंदी

PAPER CODE : HIN-276-SEC

इकाई नं.1 : विज्ञापन: अर्थ, स्वरुप एवं परिभाषा — 10 तासिकाएं
विज्ञापन का महत्व
विज्ञापन की विशेषताएं

इकाई नं.2 : विज्ञापन के प्रकार — 10 तासिकाएं
विज्ञापन के माध्यम :
प्रेस माध्यम, मनोरंजन माध्यम, बाह्य माध्यम

इकाई नं.3 : विज्ञापन की भाषा — 10 तासिकाएं
विज्ञापन लेखन : समाचार पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन
विज्ञापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर

संदर्भ ग्रंथ :

1. विज्ञापन व्यवसाय व कला - डॉ. रामचंद्र तिवारी
2. विज्ञापन कला : कल, आज और कल - यशोदा भागवत
3. आधुनिक जनसंचार और हिंदी - हरिमोहन
4. मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज - संपा. संजय द्विवेदी
5. सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद - संपा. संजय द्विवेदी
6. जनसंचार के सामजिक संदर्भ - जबरीमल्ल पारख
7. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
8. प्रयोजनमूलक हिंदी के नए आयाम - डॉ. पंडित बन्ने

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-276-SEC

Tittle of Course : विज्ञापन और हिंदी

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3			3						
CO 2							2			2
CO 3										
CO 4									2	
CO 5		2							3	
CO 6										
CO 7						3				
CO 8										

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1- छात्रों की विज्ञापन कौशल के प्रति रूचि बढ़कर उनमें आलोचनात्मक सोच बदेगी|

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO5- छात्र विज्ञापन के विभिन्न तकनीकी पक्षों से परिचित वे सही जानकारी प्राप्त करेंगे|

PO3:बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) :Nill

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO1– छात्रों की विज्ञापन कौशल के प्रति रूचि बढ़कर उनमें आलोचनात्मक सोच बदेगी|

PO5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) : Nil

PO6:समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :

CO7- छात्र विज्ञापन में रोजगारों के अवसरों को पाने में सक्षम होंगे।

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO2-छात्र जनसंचार के विभिन्न माध्यमों से परिचित होंगे।

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) : Nil

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) :

CO5-छात्र विज्ञापन के विभिन्न तकनीकी पक्षों से परिचित होंगे।

CO4-छात्र प्रभावी विज्ञापन लेखन कौशल को पुरे मन से सीखेंगे।

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO2-छात्र जनसंचार के विभिन्न माध्यमों से परिचित होंगे।

स्नातक द्वितीय वर्ष कला [SYBA] SEMISTER – IV

Ability Enhancement Course (AEC) – हिंदी भाषा : संप्रेषण कौशल

PAPER CODE : HIN-281-AEC

[2024-25]

SYLLABUS (CBCS as per NEP 2020) FOR SYBA

(w. e. from June, 2024)

Name of the Programme	**: SYBA Hindi**
Program Code	**: UAHIN**
Class	**: SYBA**
Semester	**: IV**
Course Type	**: Ability Enhancement Course (AEC) (Theory)**
Course Name	**: हिंदी भाषा : संप्रेषण कौशल**
Course Code	**: HIN-281-AEC**
No. of Lectures	**: 30**
No. of Credits	**: 02**

A) *उद्देश्य (Course Objectives) :*

1. छात्रों को संप्रेषण कौशल के सभी तकनीकी एवं सैद्धांतिक पक्ष से परिचित करना।
2. छात्रों को श्रवण कौशल के समझाना।
3. छात्रों को श्रवण कौशल की आवश्यकता को समझाना।
4. छात्रों को भाषण की तकनीकी विषयक जानकारी देना।
5. छात्रों को भाषण कौशल के स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना।
6. छात्रों को भाषण कौशल की विशेषताओं से परिचित कराना।
7. छात्रों को भाषण कौशल के विभिन्न प्रकारों से परिचित कराना।

B) *अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :*

CO1- छात्र संप्रेषण कौशल के सभी तकनीकी एवं सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।

CO2- छात्र श्रवण कौशल को समझेंगे।

CO3- छात्र श्रवण कौशल की आवश्यकता को समझेंगे।

CO4- छात्रों को भाषण की तकनीकी विषयक जानकारी होंगी।

CO5- छात्र भाषण कौशल के स्वरूप एवं महत्व से परिचित होंगे।

CO6- छात्र भाषण कौशल की विशेषताओं से परिचित होंगे।

CO7- छात्र भाषण कौशल के विभिन्न प्रकारों से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम

Ability Enhancement Course (AEC) : हिंदी भाषा : संप्रेषण कौशल

PAPER CODE : HIN-281-AEC

इकाई नं.1 : 1. श्रवण कौशल : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा — 10 तासिकाएं
2. श्रवण कौशल का महत्व
3. श्रवण कौशल की विशेषताएं

इकाई नं. 2 : 1. भाषण कौशल : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा, — 10 तासिकाएं
2. भाषण कौशल का महत्व
3. भाषण कौशल की विशेषताएं

इकाई नं. 3 : श्रवण कौशल एवं भाषण कौशल पर आधारित प्रात्यक्षिक कार्य — 10 तासिकाएं

संदर्भ ग्रंथ :

1) रचनात्मक लेखन - (संपा.) गौतम रमेश, ज्ञानपीठ प्रकाशन, प्र.सं. 2014 .S
2) अच्छी हिंदी कैसे सीखें - डॉ. हरदेव बाहरी
3) हिंदी भाषा शिक्षण - योगेन्द्र जीत,
4) हिंदी उच्चारण और वर्तनी - भगवतीप्रसाद शुक्ल
5) हिंदी शिक्षण - डॉ. उमा मंगल
6) भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
7) प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
8) हिंदी ध्वनियाँ और उसका शिक्षण - के. के. सुखिया और रामनारायण लाल
9) भाषा की शिक्षा - सीताराम चतुर्वेदी

*****

Choice Based Credit System Syllabus NEP 2020, (2023 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN-281-AEC

Tittle of Course : हिंदी भाषा : संप्रेषण कौशल

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or direct relation

	Programme Outcomes (POs)									
Course Outcomes	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO 1	3									
CO 2		3					3			
CO 3								3		
CO 4						2				
CO 5										
CO 6										
CO 7										2
CO 8										

Justification for the mapping

PO1:आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच(Critical and Creative Thinking):

CO1-छात्र विभिन्न लेख, कविताएं, कहानियाँ पढ़कर रचनात्मक सोच को बढ़ावा मिल सकता है| इसके साथ ही अन्य विचारों को सुनकर और आपसी संवाद से उनकी आलोचनात्मक सोच मजबूत हो सकती है।

PO2:संचार कौशल(Communication Skill):

CO2-विविध विषयों की नियमित पढाई, समाचार पत्र, विविध लेख की पढाई, वाचन समुहों में शामिल होकर अन्य लोगों के साथ विचार विमर्श करने का मौका मिल सकता है|

PO3:बहुसांस्कृतिक क्षमता (Multicultural Competence) : Nil

PO4:अनुसंधान कौशल (Research Skills) :

CO3-छात्र वाचन कौशल के नियमित अभ्यास से समीक्षण की क्षमता विकसित करेंगे|

PO5:पर्यावरण जागरूकता (Environmental awareness) : Nil

PO6:समस्यासमाधान क्षमताएँ- (Problem-solving Abilities) :

CO4-तकनीकी जानकारी लेते समय कई समस्याएं हो सकती है जैसे समझने में कठीनाई, संदेह आदि निरंतर अध्ययन से इन समस्याओं का समाधान मिल सकता है|

PO7:सहयोग और टीम वर्क (Collaboration and Teamwork) :

CO2-छात्र वाचन कौशल के लिए सहयोग और टीम वर्क की आवश्यकता है इससे वाचन में आयी कई समस्या बातचीत करके हल हो सकती है|

PO8:मूल्य समावेशन (Value inculcation) :

CO3-छात्र वाचन से अनेक मूल्य सीख सकते है, नियमित पढाई, अभ्यास के साथ अनेक प्रेरणादायी किताबें पढकर मानवीय मूल्यों को सीख सकते हैं|

PO9:डिजिटल और तकनीकी कौशल(Digital and technological skills) :Nil

PO10:सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (Community Engagement and Service) :

CO7- छात्र लेखन कौशल विकसित करके सामुदायिक समस्या को चित्रित कर सकते हैं|